

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

बिहार में बंपर वोटिंग से प्रसन्न हुए प्रशांत किशोर, प्रवासी मजदूरों की बढ़ी भागीदारी बनी X फैक्टर

Publisher

Published on 07 Nov 2025



बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पहले चरण की वोटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे और जनता दोनों ही उत्साह में हैं। इस बार की वोटिंग रिकॉर्ड स्तर पर रही और चुनाव में भागीदारी ने कई राजनीतिक विश्लेषकों को भी चौंका दिया। प्रशांत किशोर, जो कि राजनीतिक रणनीति और चुनावी विश्लेषण में देश के जाने-माने नाम हैं, ने हाल ही में इस चुनावी उत्साह पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि '14 तारीख को इतिहास लिखा जाएगा।'

प्रशांत किशोर का मानना है कि इस चुनाव में जनता नए विकल्पों को लेकर अत्यधिक उत्साहित है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रवासी मजदूरों की बढ़ी हुई मतदान भागीदारी इस चुनाव का सबसे बड़ा X फैक्टर बन गई है। प्रवासी मजदूर, जो विभिन्न राज्यों और शहरों में काम करते हैं, इस बार बड़े पैमाने पर अपने मतदान का अधिकार इस्तेमाल कर रहे हैं। उनकी भागीदारी ने राज्य के चुनावी समीकरण को पूरी तरह से बदल दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार की बंपर वोटिंग ने सभी राजनीतिक दलों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। पहले के मुकाबलों में जहां मतदान प्रतिशत औसत दर्जे का होता था, इस बार जनता की सक्रियता और चुनाव में रुचि ने राजनीतिक माहौल को पूरी तरह से जीवंत कर दिया है। प्रशांत किशोर ने इस संदर्भ में कहा कि जब प्रवासी मजदूर अपने गृहनगर में वापस आकर वोट डाल रहे हैं, तो इसका असर चुनाव परिणामों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

इस चुनाव में जिन उम्मीदवारों ने स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता दी है और जो प्रवासी वोटर्स के लिए योजनाओं और विकास कार्यों को केंद्र में रखते हैं, उन्हें विशेष लाभ मिलने की संभावना है। प्रशांत किशोर का यह मानना है कि जनता अब पुराने राजनीतिक वादों से संतुष्ट नहीं है। लोग नए विकल्पों, पारदर्शिता और विकास की दिशा में अधिक ध्यान दे रहे हैं। यही वजह है कि इस चुनाव में कई नई राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों को उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बिहार में प्रवासी मजदूरों की वोटिंग संख्या ने राज्य के चुनावी नक्शे को बदलने की पूरी संभावना पैदा कर दी है। वे कहते हैं कि यदि प्रवासी वोटर्स की बढ़ी भागीदारी बनी रहती है, तो यह न केवल उम्मीदवारों की जीत के पैटर्न को प्रभावित करेगी बल्कि राज्य की राजनीति में लंबे समय तक छाया भी छोड़ सकती है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि इस चुनाव की सफलता या असफलता अब केवल दलों की रणनीति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि आम जनता की सक्रिय भागीदारी और उनकी चुनावी समझ पर भी निर्भर है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रवासी मजदूरों की बढ़ी हुई भागीदारी इस चुनाव का निर्णायक तत्व है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह राज्य में राजनीतिक बदलाव की दिशा तय करेगा। पहले चरण की बंपर वोटिंग और प्रवासी मजदूरों की सक्रिय भागीदारी ने सभी को यह संकेत दे दिया है कि जनता अपने भविष्य के निर्णय के लिए पूरी तरह सजग और जागरूक है। प्रशांत किशोर का मानना है कि यह चुनाव न केवल आंकड़ों का खेल है, बल्कि जनता के दृष्टिकोण और उनके विकास की आकांक्षाओं का भी परीक्षण है।

इस प्रकार, बिहार चुनाव 2025 की पहली चरण की वोटिंग ने राजनीति में नया उत्साह पैदा किया है। प्रशांत किशोर का कहना है कि प्रवासी मजदूर इस चुनाव के X फैक्टर हैं और उनकी भागीदारी से चुनावी नतीजे पूरी तरह अप्रत्याशित हो सकते हैं। सभी राजनीतिक दलों के लिए यह संदेश स्पष्ट है कि अब जनता की सक्रिय भागीदारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और यह चुनाव नए राजनीतिक समीकरणों और संभावनाओं का द्वार खोल सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.